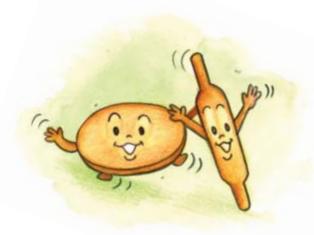
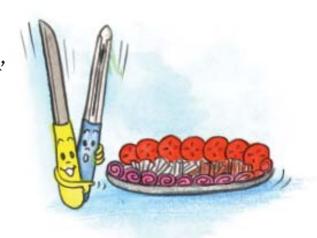


7. रसोईघर



आज रसोईघर की खिड़की, मुन्ना-मुन्नी खोल रहे हैं। अंदर देखा, चकला-बेलन, चाकू-छलनी बोल रहे हैं।

मैं चाकू, सब्ज़ी-फल काटूँ, टुकड़ा-टुकड़ा सबको बाँटूँ। गाजर-मूली प्याज़-टमाटर, छीलो काटो रखो सजाकर।





गोल चाँद-सी हूँ मैं थाली, बज सकती हूँ बनकर ताली। मुझमें रोटी-सब्ज़ी डाली, और सभी ने झटपट खा ली।





मैं चाकू हूँ। मैं सब्ज़ी





हम हैं। हम बेलते हैं।

में हूँ। में छानती हूँ।





में हूँ। मुझमें खाओ।

मैं छीलनी हूँ। मुझसे छिलका """"







शुड़प शुड़प 🐎

रसोईघर का चित्र देखो और बताओ।

- 1. पतीला चूल्हे के नीचे है।
- 2. चूहा अँगीठी के अंदर है।
- 3. टोकरी में आम रखे हैं।
- 4. अक्षय चावल बीन रहा है।
- 5. माँ खाना बना रही हैं।
- 6. आले में लालटेन रखी है।
- 7. दादी किताब पढ़ रही हैं।
- 8. सुहानी खिड़की से झाँक रही है।





काम ही काम



- पहँसुल का उपयोग पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल आदि पूर्व के कई राज्यों में सब्ज़ी काटने के लिए किया जाता है।
- दाव का इस्तेमाल उत्तर-पूर्व के राज्यों में बाँस, सब्ज़ी आदि काटने के लिए किया जाता है।



किससे क्या काटोगे?





कागज़



आम



सेब

बैंगन



रस्सी





कैंची से	चाकू से